गौरा मैया की भोले से शिकायत है

गौरा मैया की भोले से शिकायत है,
तेरी भांग अब न घोटी जात है....

घोटत घोटत दुखे हाथ भांग घुटावे तू दिन रात भोले सुन ले मेरी बात,
गई मायके तो लौट के न आत है,
तेरी भांग अब न घोटी जात है....

गोरा करे क्यों तकरार झगड़ा तेरा है बेकार,
भांग में घोटत थोड़ा प्यार,
तू पिला दे तो मजा आई जात है,
मेरी क्यों न घोटी जात है,
गौरा मैया की भोले से शिकायत है,
तेरी भांग अब न घोटी जात है....

अरे बात बात पे मांगे भांग लेली तूने मेरी जान,
बिक जावेगा घर ये मकान,
अपनी अमा से करनी शिकायात है,
तेरी भांग अब न घोटी जात है,
गौरा मैया की भोले से शिकायत है,
तेरी भांग अब न घोटी जात है....

मान ली गौरा तोरी बात ना करियो तू मोरी शिकायत,
कान पकड़ के जोडू हाथ
'मनोज पागल' भी गोरा जी के साथ है,
तेरी भांग अब न घोटी जात है,
गौरा मैया की भोले से शिकायत है,
तेरी भांग अब न घोटी जात है....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27290/title/gaura-mayia-ki-bhole-se-shikayat-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |